Central University of Rajasthan

Center for Distance and Online Education (CDOE)

Dear Learner,

Greetings from the CDOE!

As you are aware, every student enrolled in the ODL Programme is required to write and submit assignments for each course. These assignments form an important component of the continuous assessment and carry **30% weightage** of the overall grade for each course.

Please carefully note the following instructions:

General Instructions

1. Please remember to attach the designated cover page on every assignment you submit. The format of cover page is attached for your reference.
2. All sections of the assignment are compulsory in nature. All questions are to be attempted, except for those where options are provided.
3. Please write the answer mentioning the correct corresponding question number given in the assignment.
4. Please write on continuous pages and number each page.
5. All assignments should be handwritten. Typed or printed assignment will not be accepted.
6. it is strongly recommended to keep a copy (photocopy or scanned) of the assignment sent by you for your record.
7. **The last date for submitting assignments is 30.11.2026.** Submission of assignments is required to appear in the End Semester Examination.
8. Assignments can be deposited at CDOE, Curaj or sent through post to **Director, Centre for Distance and Online Education (CDOE), Room 102, Administration Building, Central University of Rajasthan, Bandarsindari, District: Ajmer – 305817, Rajasthan**.

Director

Centre for Distance and Online Education (ODL & OP)

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN

Assignment

Open and Distance Learning Programme

Academic Year : 2026-2027 **Session : July, 2026**

Learner's Name: _____

Enrollment Number: _____

Programme Name and Code: _____

Course Code: _____

Course Title: _____

_____

Learner's Signature

Centre for Distance and Online Education (CDOE)

Room 102, Administration Building, Central University of Rajasthan

N.H. 8, Bandarsindari, District: Ajmer – 305817, Rajasthan

Website: www.curaj.ac.in | Email: cdoe@curaj.ac.in | Phone: 01463 257 556

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

कार्यक्रम का नाम : एम. ए. (हिंदी) **द्वितीय छमाही** **कार्यक्रम कोड : ODLMAH**

निर्देश :

1. एम.ए. (हिंदी) कार्यक्रम में शिक्षार्थियों के सतत मूल्यांकन के लिए पाठ्यक्रम की प्रत्येक पाठ्यचर्या (कोर्स) में दो सत्रीय कार्य की योजना की गयी है।
2. दोनों सत्रीय कार्य पूर्ण कर नियत अवधि में जमा करवाने पर ही शिक्षार्थी संबंधित पाठ्यचर्या (कोर्स) की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो सकते हैं।
3. प्रत्येक सत्रीय कार्य पंद्रह (15) पूर्णांक का है, इस प्रकार से प्रत्येक पाठ्यचर्या (कोर्स) के लिए सत्रीय कार्य के लिए कुल तीस (30) पूर्णांक नियत है। सत्रीय कार्य में प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित है।
4. प्रत्येक सत्रीय कार्य में शिक्षार्थी को तीन प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं, शिक्षार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह आंतरिक विकल्पों को ध्यान में रखते हुए तीनों प्रश्नों को हल करने का प्रयास करेगा।
5. सत्रीय कार्य शिक्षार्थी की स्वयं की हस्तलिपि में होना आवश्यक है, टंकित एवं प्रिंटेड सत्रीय कार्य स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
6. शिक्षार्थी नियत अवधि में सत्रीय कार्य पूर्ण कर निम्नलिखित पते पर डाक द्वारा भेजें अथवा व्यक्तिशः उपस्थित होकर जमा करवाएँ।

   सत्रीय कार्य जमा करवाने का पता :

   निदेशक, दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र, कमरा संख्या – 102, प्रशासनिक भवन, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बांदर सिंदरी, जिला – अजमेर, 305817, राजस्थान

   Director, Centre for Distance and Online Education (CDOE), Room - 102, Administration Building, Central University of Rajasthan, Bandarsindari, District - Ajmer – 305817, Rajasthan.

पाठ्यचर्या (कोर्स) का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) पाठ्यचर्या (कोर्स) कोड : 6.0 ODLMAH05

सत्रीय कार्य : 01

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 हिंदी नवजागरण से आप क्या समझते हैं ? हिंदी नवजागरण में भारतेंदु हरिश्चंद्र के योगदान पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 02 भारतेंदुयुगीन प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं का विवरण प्रस्तुत कीजिए तथा हिंदी गद्य के विकास में इनके योगदान पर विचार कीजिए। 05

प्र. 03 आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने अपने इतिहास में आधुनिक काल को 'गद्यकाल' नाम दिया है। इस नामकरण के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 04 छायावाद संबंधी विभिन्न आलोचकों के मतों की विस्तृत विवेचना करते हुए छायावाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 05 निम्नलिखित रचनाकारों में से किन्हीं पाँच का साहित्यिक परिचय दीजिए। 05

i. भारतेंदु हरिश्चन्द्र, ii. प्रतापनारायण मिश्र, iii. बालमुकुंद गुप्त, iv. अम्बिकादत्त व्यास,

v. श्रीधर पाठक, vi. मैथिलीशरण गुप्त, vii. महावीर प्रसाद द्विवेदी, viii. हरिऔध

सत्रीय कार्य : 02

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 प्रयोगवाद एवं नयी कविता के अंतर्संबंधों का विश्लेषण कीजिए। 05

प्र. 02 अकविता एवं अकहानी क्या हैं ? विस्तार से समझाइए। 05

प्र. 03 स्वातन्त्र्योत्तर प्रमुख कहानी आंदोलनों के आलोक में हिंदी कहानी का विकासक्रम प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 04 समकालीन कविता का आशय स्पष्ट करते हुए समकालीन कविता की समय सीमा पर विचार कीजिए। 05

प्र. 05 हिंदी साहित्य में अस्मितामूलक विमर्शों के आगमन एवं आत्मकथा साहित्य पर उनके प्रभाव को रेखांकित कीजिए। 05

पाठ्यचर्या (कोर्स) का नाम : हिंदी कहानी **पाठ्यचर्या (कोर्स) कोड : 6.0 ODLMAH06**

सत्रीय कार्य : 01

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 कहानी की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए 'हिंदी की प्रथम कहानी' विषय पर टिप्पणी लिखिए। 05

प्र. 02 " 'उसने कहा था' एक ओर प्रेम का नया पाठ प्रस्तुत करती है तो दूसरी ओर युद्ध की विभीषिका के विरोध में खड़ी है।" आलोचक सूरज पालीवाल के इस कथन की व्याख्या कीजिए। 05

प्र. 03 " 'कफ़न' प्रेमचंद की कहानी-कला का चरमोत्कर्ष है।" इस कथन के आलोक में कफ़न कहानी का मूल्यांकन कीजिए। 05

प्र. 04 " 'रोज' कहानी एक लक्ष्यहीन दुहराव में फँसी स्त्री की जीवनी है।" इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए। 05

प्र. 05 निम्नलिखित कहानियों की कथावस्तु विस्तार से लिखिए। 05

i. आकाशदीप, ii. अपना अपना भाग्य, iii.परदा

सत्रीय कार्य : 02

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 " 'कोसी का घटवार' एक चरित्र-प्रधान कहानी है।" इस कथन पर विचार कीजिए। 05

प्र. 02 'राजा निरबंसिया' कहानी में लोककथा और यथार्थ कथा की दोहरी बुनावट है। इस कथन के सन्दर्भ में 'राजा निरबंसिया' कहानी की कथावस्तु का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 03 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में चित्रित 'पुलिस के मानवतावाद' पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 04 'हिंदी कहानी और अस्मितामूलक विमर्श' विषय पर निबन्ध लिखिए। 05

प्र. 05 निम्नलिखित हिंदी कहानियों की कथावस्तु विस्तार से लिखिए। 05

i. अमृतसर आ गया है, ii. पिता, iii. लाल पान की बेगम

पाठ्यचर्या (कोर्स) का नाम : हिंदी उपन्यास **पाठ्यचर्या (कोर्स) कोड : 6.0 ODLMAH07**

सत्रीय कार्य : 01

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 प्रेमचंद-पूर्व हिंदी उपन्यास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 05

प्र. 02 हिंदी के प्रथम उपन्यास से संबंधित बहस की विस्तृत विवेचना कीजिए। 05

प्र. 03 'गोदान' के स्त्री पात्रों की निर्मिति पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 04 "प्रेमचंद जिस विचार-भूमि से समाज के भीतरी द्वन्द्व को देखते थे, वह साधारण खाते-पीते किसान की हैं। उनको जीवन-भर यह लालसा रही कि उनके पास अपनी ज़मीन हो और वह आज़ादी से खेती करके – या कराके ज़िंदगी बसर करें।" आलोचक रामविलास शर्मा के इस कथन को मद्देनजर रखते हुए 'गोदान' उपन्यास का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 05 'गोदान' उपन्यास के कथानक में शहरी एवं ग्रामीण घटकों के सामंजस्य पर विचार कीजिए। 05

सत्रीय कार्य : 02

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01औपन्यासिक शिल्प के आधार पर 'शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग)' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। 05

प्र. 02 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास की भाषा का विश्लेषण करते हुए उपन्यासों में संस्कृतनिष्ठ सामासिक भाषा के प्रयोग पर अपना मत प्रकट कीजिए। 05

प्र. 03 'शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग)' उपन्यास के कथ्य का मनोविज्ञान की कसौटी पर मूल्यांकन कीजिए। 05

प्र. 04 " 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में नारीमुक्ति की आकांक्षा केंद्र में है।" इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए। 05

प्र. 05 सिद्ध कीजिए कि 'मानस का हंस' जीवनी एवं उपन्यास का दोआब है। 05

पाठ्यचर्या (कोर्स) का नाम : विशेष अध्ययन : प्रेमचंद **पाठ्यचर्या (कोर्स) कोड : 6.0 ODLMAH24**

सत्रीय कार्य : 01

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 महत्वपूर्ण घटनाओं को रेखांकित करते हुए प्रेमचंद की संक्षिप्त जीवनी प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 02 प्रेमचंद के निबन्धों के आलोक में यथार्थवाद एवं आदर्शवाद संबंधी प्रेमचंद की मान्यताओं पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 03 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध के आलोक में प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताओं का परीक्षण कीजिए। 05

प्र. 04 प्रेमचंद की कहानियों में आधुनिक विमर्शों के स्वरूप की पड़ताल कीजिए। 05

प्र. 05 निम्नलिखित कहानियों की कथावस्तु विस्तार से लिखिए। 05
i. सद्गति, ii. बड़े घर की बेटी, iii. ठाकुर का कुआँ

सत्रीय कार्य : 02

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 "प्रेमचंदजी के ही कुछ पात्रों में ऐसे स्वाभाविक ढाँचे की व्यक्तिगत विशेषताएँ मिलने लगीं जिन्हें सामने पाकर अधिकांश लोगों को यह भासित हो कि कुछ इसी ढंग की विशेषता वाले व्यक्ति हमने कहीं न कहीं देखे हैं।" आचार्य शुक्ल के इस कथन के आलोक में प्रेमचंद के उपन्यासों (रंगभूमि एवं गोदान के विशेष सन्दर्भ में) की पात्र योजना का मूल्यांकन कीजिए। 05

प्र. 02 औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'रंगभूमि' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। 05

प्र. 03 'प्रेमचंद की उपन्यास सृष्टि' विषय पर निबन्ध लिखिए। 05

प्र. 04 'प्रेमचंद के उपन्यासों में हाशिए के वर्ग का प्रतिनिधित्व' विषय पर निबन्ध लिखिए। 05

प्र. 05 " 'रंगभूमि' का प्रमुख स्वर उसका ब्रिटिश विरोधी होना है।" आलोचक शरणकुमार लिंबाले के इस कथन के पक्ष एवं विपक्ष में तर्क दीजिए। 05

पाठ्यचर्या (कोर्स) का नाम : राजस्थान का भक्ति काव्य **पाठ्यचर्या (कोर्स) कोड : 6.0 ODLMAH26**

सत्रीय कार्य : 01

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 भारतीय सन्दर्भ में भक्ति आन्दोलन के उदय एवं उसके प्रसार को विस्तार से व्याख्यायित कीजिए। 05

प्र. 02 मध्यकालीन राजस्थान में निर्गुण भक्ति के प्रसार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख संप्रदायों का परिचय दीजिए। 05

प्र. 03 दादूपन्थ का परिचय देते हुए प्रमुख दादूपंथी साहित्यकारों का परिचय दीजिए। 05

प्र. 04 पर्यावरण चेतना के नजरिये से राजस्थानी जनजीवन पर जाम्भोजी के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। 05

प्र. 05 चरितकाव्य का आशय स्पष्ट करते हुए जैन चरितकाव्य परंपरा की विवेचना कीजिए। 05

सत्रीय कार्य : 02

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 कवि दुर्बलनाथ के साहित्य के संदर्भ से राजस्थानी नाथ साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 05

प्र. 02 राजस्थान में वैष्णव भक्ति के प्रसार को बताते हुए कृष्ण भक्ति के प्रमुख कवियों का परिचय प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 03 राजस्थान के भक्ति परिदृश्य में नाथ पन्थ के स्थान को निर्धारित करते हुए नाथ पन्थ की प्रमुख गद्दियों एवं नाथपन्थी रचनाकारों का परिचय दीजिए। 05

प्र. 04 मीरांबाई एवं रानाबाई की कृष्णभक्ति का तुलनात्मक विवेचन प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 05 "प्रतिरोध मीरां काव्य की केन्द्रीय वस्तु है।" इस कथन के सन्दर्भ में मीरां के काव्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करिए। 05

पाठ्यचर्या (कोर्स) का नाम : शोध पत्र एवं प्रारूप लेखन(Dissertation-I) **पाठ्यचर्या (कोर्स) कोड : 6.0 ODLMAH08**

सत्रीय कार्य : 01

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में चौथा प्रश्न अनिवार्य है; शेष में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 शोध कार्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए शोध के प्रकारों की विवेचना कीजिए। 05

प्र. 02 शोध कार्य के विषय चयन के आधारों को स्पष्ट करते हुए वर्तमान में प्रासंगिक पाँच शोध विषय उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत कीजिए। 05

प्र. 03 शोध कार्य हेतु सामग्री संकलन के स्रोतों पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 04 शोध कार्य में सन्दर्भ उल्लेख करने की प्रचलित विधियों (एपीए, एमएलए, शिकागो, आईएलआई आदि) पर प्रकाश डालते हुए हिंदी साहित्य से संबंधित शोध कार्यों के सन्दर्भ में इनकी उपयुक्तता पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 05 शोध प्रबंध के प्रारूप के आवश्यक उपभागों का विस्तृत विवरण दीजिए। 05

सत्रीय कार्य : 02

पूर्णांक : 15

प्र. 01 निम्नलिखित शोध विषयों में से किसी एक विषय पर शोध प्रस्ताव (सिनोप्सिस) बनाइए। 15

(शब्द सीमा : 3000 - 5000 शब्द)

१) नयी कहानी की आलोचना पर अस्तित्ववाद के प्रभाव का अनुशीलन

२) प्रेमचंद के कथा साहित्य में हाशिए के वर्ग का प्रतिनिधित्व : स्त्री, दलित, एवं किसान पात्रों की उपस्थिति का अनुशीलन

३) डिंगल की कविता और शक्ति आराधना: मध्यकालीन राजस्थानी शक्ति काव्य की परंपरा की पहचान

४) राजस्थानी लोकोक्तियों में जाति एवं लिंग की सामाजिकता का अध्ययन

५) शमशेर के काव्यबिंबों की रंग-शब्दावली का विश्लेषणात्मक अध्ययन

पाठ्यचर्या (कोर्स) का नाम : समाचार एवं विज्ञापन लेखन **पाठ्यचर्या (कोर्स) कोड : 6.0 ODLMAH09**

सत्रीय कार्य : 01

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(शब्द सीमा : 500 - 700 शब्द)

प्र. 01 समाचार की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा समाचार विषय के आधार पर समाचार के प्रकार विस्तार से बताइए। 05

प्र. 02 समाचार लेखन प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 05

प्र. 03 विज्ञापन क्या है ? विज्ञापन लेखन की प्रविधि पर प्रकाश डालिए। 05

प्र. 04 विज्ञापन के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए, उपभोक्ता की क्रय-रुचि पर विज्ञापनों के प्रभाव का आकलन कीजिए। 05

प्र. 05 'लोकमत के निर्माण में समाचारों की भूमिका' विषय पर निबंध लिखिए। 05

सत्रीय कार्य : 02

पूर्णांक : 15

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

प्र. 01 भारत एवं ऑस्ट्रेलिया के मध्य दिनांक 03 जनवरी 2025 को हुए पाँचवें बार्डर गावस्कर ट्रॉफी (2024-2025) मुकाबले पर समाचार लिखिए। 05

प्र. 02 जियो प्लेटफार्म के आईपीओ पर विस्तृत आर्थिक समाचार लिखिए। 05

प्र. 03 राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए प्रवेश विज्ञापन की रचना कीजिए। 05

प्र. 04 जोजरी नदी में प्रदूषण के मामले पर समाचार कथा (न्यूज स्टोरी) लिखिए। 05

प्र. 05 पद्यात्मक भाषा का प्रयोग करते हुए राजस्थान पर्यटन, समग्र साक्षरता, एवं टीकाकरण पर जन-जाग्रति को मद्देनजर रखते हुए एक-एक विज्ञापन बनाइए। 05